

PUBLICATION	Navbharat Times
EDITION	Mumbai
DATE	Thursday, 11 June 2009
PAGE NO.	3

में फिसल जाऊंगा तो बच जाऊंगा



- शूट के किनारे पर बैठिए । और अपने पैरों को शूट के अंदर की तरफ छोड़ दिजिए । और धीमे-धीमे अपना शरिर एक मीटर तक शूट के अंदर छोड़ दे ।
- अपने घुटनों पर बैठकर पैरों को फैलाइए और नीचे की तरफ प्रस्थान किजिए ।
- जमिनपर प्रस्थान करते वक्त पूरा समय अपना ध्यान अपने पैरों के बीच में से जमिन की ओर रहने दिजिए ।

48 मंजिला प्लैनेट गोदरेज इमारत में बुधवार को आग और दूसरे संकटों से बचने के लिए 'फायर एस्केप शूट' प्रणाली का परीक्षण किया गया। इसमें नीचे से ऊपर फिफ्ट या गारबेज बिन की तरह जगह खाली रखी जाती है। इसमें मजबूत कपड़े का थैलीनुमा पाइप बनाया जाता है, जिसमें फिसलकर आदमी निचली मंजिल पर पहुंच जाता है। वहां उसे रोकने या पकड़ने के लिए लोग मौजूद होते हैं।

Ashish Haje